जानवरों के हुकूक

संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

राहे अमल हिन्दी.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

१} अबू दाउद की रिवायत का खुलासा | रावी सुहेल इबनुल हन्जालिय्या रदी.

जानवर को भूखा रखना अल्लाह के गजब का सब्ब हे जब आदमी काम लेना चाहे तो उसे खुब अच्छी तरह खिला पिला और इतना काम ना ले की वो थक कर बेहाल हो जाए.

२} रियाजुस्सालिहीन की रिवायत का खुलासा | रावी अब्दुल्लाह बिन ज़ाफर रदी.

रसूलुल्लाहﷺ एक अंसारी के बाग में दाखिल हुए जहा एक ऊंट बंधा हुवा था, जब ऊंट ने रसूलुल्लाहﷺ को देखा तो गमनाक आवाज़ निकाली और दोनो आंखो से आंसू बहने लगे, रसूलुल्लाहﷺ उसके पास गए और शफाकत से अपना हाथ उसकी कोहान और कनपटी पर फेरा तो उसको सुकून

हो गया, आपﷺ ने पूछा की इस ऊंट का मालिक कौन हे? ये ऊंट किस शख्स का हे? तो एक अंसारी नवजवान आया और उसने कहा की ए अल्लाह के रसूल! ये ऊंट मेरा हे, आपﷺ ने फरमाया क्या तू अल्लाह से नही डरता? इस बेज़ुबान जानवर के बारे में जिसे अल्लाह ने तेरे कब्जे में दे रखा हे? ये ऊंट अपने आंसुओं और अपनी आवाज़ के जरिये मुझ से शिकायत कर रहा था की तू इसको भूखा रखता हे और बराबर काम लेता हे.

३} मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की जब तुम हरयाली के ज़माने में सफर करो तो ऊंटों को उनका हिस्सा जमीन से दो, और जब तुम आकाल के ज़माने में सफर करो तो उनको तेज चलावो.

यानी जब हरयाली का ज़माने हो और जमीन पर हर तरफ घास उगी हुई हो तो सफर में ऊंटों को चरने का मौका दो, और जब आकाल का ज़माने हो और जमीन पर घास ना हो

तो सवारियों को तेज चलाओ ताकि जल्द मंज़िल पर पहुंच जाए, और रास्ते में भूक प्यास की मुसीबत से बच जाए.

४} मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी शद्दाद बिन औस रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की अल्लाह ने हर काम बेहतर तरीके से करना फर्ज़ करार दिया हे तो जब तुम किसी को कत्ल करो तो उसे अच्छी तरह से कत्ल करो, और जब तुम जिब्ह करो तो अच्छे तरीके से जिब्ह करो, और तुम्मे से हर एक को चाहिए की अपनी छुरी तेज करले और जिब्ह होने वाले जानवर को आराम पहुंचाये देर तक तडपने के लिए ना छोड दे, इस तरह जिब्ह करे की जल्दी से उसकी जान निकल जाए.

५} मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी जाबिर रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने जानवर के चेहरे पर मारने और उसके चेहरे को दागने से मना फरमाया हे.

६} मिश्कात की रिवायत का खुलासा | रावी अब्दुल्लाह बिन अमर बिन अल आस रदी.

जानवर का शिकार गोश्त खाने के लिए तो जाईज हे लेकिन तफरीह के लिए शिकार खेलना इस्लाम में मना हे. तफरीही शिकार का मतलब ये हे की आदमी शिकार तो करे लेकिन उनका गोश्त ना खाये, यूं ही मार कर फेंक दे.

७} अबू दाउद की रिवायत का खुलासा | रावी अबू मसूद रदी.

हम एक सफर में रसूलुल्लाहﷺ के साथ थे, तो आपﷺ अपनी किसी ज़रूरत के लिए चले गए, इस बीच हमने एक छोटी चिडिया देखी, जिसके साथ दो बच्चे थे, हमने उसके दोनो बच्चों को पकड लिया तो चिडिया अपने परों को खोल कर उन बच्चों के उपर मंडलाने लगी.

इतने में रसूलुल्लाहﷺ तशरीफ लाए और उसकी बेचैनी देखी तो फरमाया की इसको बच्चे की वजह से किसने दुख

पहुंचाया हे? इसके बच्चे इसे वापस करो, और आपने उन चिटियों के घर देखे जिन को हमने जला दिया था, तो आपने पूछा, इन को किसने जलाया? तो हमने बताया की हम लोगों ने जलाया हे, आपﷺ ने फरमाया की आग की सजा देना आग के मालिक (अल्लाह) का हक हे.

८} बुखारी व मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की एक आदमी रास्ता में जा रहा था उसको बहुत ज्यादा प्यास लगी, इधर-उधर देखा एक कुवां मिला वो उसमे उतर गया और पानी पिया, (डोल, रस्सी नही थी) जब कुवें से बाहर आया तो देखा की एक कुत्ता प्यास की वजह से जुबान निकाले भीगी मिट्टी खा रहा हे, उस आदमी ने दिल में सोचा की इस कुत्ते को उतनी ही प्यास लगी हे जितनी की मुझे लगी थी, वो तुरन्त कुवें में उतर पडा, अपने चमडे के मोजे में पानी भर कर मुंह में थामे बाहर आया और कुत्ते को पिलाया तो अल्लाह ने उसके इस अमल की

कदर की और उसकी माफी फरमा दी, लोगों ने पूछा क्या चौपायों पर भी रहम करने पर सवाब मिलता हे? आपﷺ ने फरमाया हर जानदार के साथ रहम करने पर सवाब मिलता हे.

९} तिर्मेज़ी की रिवायत का खुलासा | रावी इबने अब्बास रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने जानवरों को आपस में लडाने से मना फरमाया हे.